मध्य प्रदेश में खाद्यान्नों का उत्पादन

3844. **श्री अजीत जोगी:**
श्री छोटूभाई पटेल:

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 1991-92 के दौरान मध्य प्रदेश में कुल कितनी मात्रा में खाद्यान्न का उत्पादन हुआ है;

(ख) क्या राज्य सरकार ने मध्य प्रदेश में खाद्यान्नों का उत्पादन बढ़ाने के लिए एक व्यापक कार्य योजना बनायी है और केन्द्रीय सरकार से उसकी स्वीकृति मांगी है;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) यह योजना कब तक शुरु की जायेगी?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन): (क) 1991-92 के दौरान मध्य प्रदेश में कुल खाद्यान्नों का उत्पादन 15.26 मिलियन टन था।

(ख) केन्द्र/केन्द्रीय प्रवर्तित योजना के विषय में 1992-93 के दौरान मध्य प्रदेश राज्य सरकार ने खाद्यान्नों का उत्पादन बढ़ाने के लिए योजना बनाई थी और यह भारत सरकार द्वारा अनुमोदित कर दी गई थी।

(ग) संलग्न विवरण में इसका ब्यौरा दर्शाया गया है। **(नीचे देखिये।)**

(घ) ये कार्यक्रम पहले से ही चलाये जा रहे हैं।

विवरण

1992-93 के दौरान मध्य प्रदेश में खाद्यान्नों का उत्पादन बढ़ाने के लिए कार्यान्वित की जा रही योजनाओं का ब्यौरा।

	योजना का नाम	कार्यक्रम के घटक/उपलब्ध कराये गये प्रोत्साहन
(क)	**केन्द्रीय क्षेत्रक योजनाएं:**	
1.	विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम-गेहूं मिनीकिट कार्यक्रम सहित।	इस योजना के अन्तर्गत, बीजों के उत्पादन और वितरण, सूक्ष्म पौष्टिक तत्वों के वितरण, पौध संरक्षण उपकरणों पर राज सहायता के रूप में प्रोत्साहन दिया जा रहा है। बीज मिनीकीट का वितरण, प्रदर्शन और प्रशिक्षण का प्रबंध इत्यादि।
2.	विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम— मिनीकीट कार्यक्रम सहित मक्का और कदन्न	बीजों के उत्पादन और वितरण, खरपतवारनाशियों, पौध संरक्षण रसायनों, बैल चलित उपकरणों के वितरण पर राज सहायता के रूप में प्रोत्साहन दिया जा रहा है। बीज मिनीकिट का वितरण, प्रदर्शन और प्रशिक्षण का प्रबंधन इत्यादि।
3.	विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम—दलहन	इस योजना के अंतर्गत चना और अरहर को खराब होने से बचाने के लिए कीटनाशियों का वितरण करके सहायता करना और ग्रीष्म दलहनों के लिए प्रमाणित बीजों का वितरण करके सहायता करना।
(ख)	**केन्द्रीय प्रवर्तित योजनाएं:**	
1.	मिनीकिट कार्यक्रम सहित समन्वित चावल विकास कार्यक्रम	इस योजना के अंतर्गत, बीजों के उत्पादन और वितरण, सूक्ष्म पौष्टिक तत्वों, कीटनाशियों, फार्म उपकरणों के वितरण पर राज सहायता के रूप में प्रोत्साहन दिया जा रहा है। बीज मिनीकीट का वितरण, प्रदर्शन और प्रशिक्षण का प्रबंधन इत्यादि।
2.	राष्ट्रीय दलहन विकास परियोजना	इस परियोजना के अंतर्गत आधारी बीजों के वितरण, प्रमाणित बीजों, रिजोबियम उपज, पौध संरक्षण रसायनों, खरपतवारनाशियों, उन्नत किस्म के कृषि उपकरणों, पौध संरक्षण उपकरणों, स्प्रिंकलर सेटों के वितरण, क्षेत्र प्रदर्शन और प्रशिक्षण के प्रबंधन इत्यादि के लिए सहायता दी जा रही है।